वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 81 | बुधवार 19 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर के राजपाल गीला ने जीता आयरनमैन का खिताब

साढ़े सोलह घंटे की रेस को 15 घंटे 13 मिनट 17 सेकेंड में किया पूरा

जयपुर. कासं। जयपुर के रहने वाले राजपाल गीला ने पिछले दिनों कजाकिस्तान में हुए दुनिया की सबसे कठिन प्रतियोगिताओं में से एक आयरनमैन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। आयरनमैन प्रतियोगिता में साइकिलिंग स्विमिंग सहित लंबी दूरी की ट्रायथलॉन दौड़ की एक सीरीज शामिल है। इसे दुनिया के सबसे कठिन एक दिवसीय खेल आयोजनों में से एक माना जाता है। कजाकिस्तान में 2 जुलाई को यह प्रतियोगिता हुई। जिसमें 3.8 किमी स्विमिंग, 180 किमी साइकिलिंग और 42.2 किमी रनिंग साढ़े सोलह घंटे में पूरी करनी थी। जिसको राजपाल गीला ने 15 घंटे 13 मिनट 17 सेकेंड में पूरा कर के आयरनमैन का खिताब हासिल किया। इस प्रतियोगिता में दुनिया भर से कुल मिलाकर लगभग 400 प्रतिभागी थे। इससे पहले राजपाल ने 2 बार आयरनमैन 70.3 (1.9 किमी स्विमिंग, 90 किमी साइकिलिंग और 21.1किमी रनिंग) वियतनाम और गोवा में पूरी कर चुके है। एक आयरनमैन और 2 आयरनमैन 70.3 रेस पूरी करने वाले राजपाल गीला जयपुर के पहले ट्राइथलिट है। इस का श्रेय वो अपने कोच पंकज खालू को देते है। आगे उनका लक्ष्य इस रेस को और कम समय में खत्म करने का है।

जेकेके में स्टेज मैनेजमेंट की कार्यशाला की शुरूआत

एनएसडी के देवेंद्र राज अंकुर सहित कई विशेषज्ञ देंगे टिप्स, 6 दिन तक जारी रहेगी वर्कशॉप

जयपुर. कासं

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर की ओर से आयोजित मंच पार्श्व कार्यशाला की मंगलवार को जवाहर कला केन्द्र में शुरूआत हुई। केन्द्र ने कला संसार के तहत कार्यशाला में सहभागिता निभाई। 6 दिवसीय कार्यशाला 23 जुलाई तक जारी रहेगी। इसमें थिएटर जगत की मशहूर हस्तियों और कहानी का रंगमंच के प्रणेता देवेंद्र राज अंकुर, मंच प्रबंधन विशेषज्ञ सात्विका कंठामनेनी, मंच तकनीक विज्ञ फिरोज खान के सानिध्य में रंगकर्मी समग्र रूप से मंच प्रबंधन, दृश्य विधान, मंच सज्जा, वस्त्र विन्यास से जुड़े जरूरी पहलुओं को जानेंगे। 300 आवेदकों में से 33 प्रतिभागियों का कार्यशाला के लिए चयन किया गया है। उद्घाटन समारोह में राज्य मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश बोराणा, संगीत नाटक अकादमी अध्यक्ष बिनाका जेश मालू, जवाहर कला केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक प्रियंका जोधावत, पं. जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी अध्यक्ष इकराम राजस्थानी, संस्कृत अकादमी अध्यक्ष सरोज कोचर, राजस्थान उर्दू अकादमी अध्यक्ष हुसैन रजा खान, राजस्थान ललित कला अकादमी अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास, प्रसिद्ध साहित्यकार व व्यंग्यकार फारूख आफरीदी व कई कला मर्मज्ञ मौजूद रहे। रमेश बोराणा ने कहा कि थिएटर सभी कलात्मक विधाओं का संयोजित रूप है। मंच

पार्श्व से जुड़ी गतिविधियों को जानना रंगकर्मियों के लिए बेहद जरूरी है। देवेंद्र राज अंकुर जैसे विशेषज्ञों के सानिध्य में काम करना सौभाग्य की बात है। बिनाका जेश ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न विषयों पर अलग-अलग प्रशिक्षण शिविर व कार्यशालाएं आयोजित हो रही है लेकिन समग्र रूप से मंच प्रबंधन, दृश्य विधान, मंच सज्जा, वस्त्र विन्यास पर प्रभावी कार्य की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए अकादमी की ओर से यह विशेष कार्यशाला आयोजित की जा रही है। प्रियंका जोधावत ने कहा कि हर रचनात्मक विधा की महत्ता को ध्यान में रखकर केन्द्र कलाकारों को अनुकूल माहौल उपलब्ध करवा रहा है। विशेषज्ञ देवेंद्र राज ने बताया कि थिएटर केवल अभिनय का नाम नहीं है। पार्श्व मंच से जुड़ी हर गतिविधि भी इसका अभिन्न अंग है।

स्कूली बच्चों ने जाने और समझे यातायात के नियम

सड़क पर वाहन चालकों को ट्रेफिक नियमों की पालना के लिए की समझाइश, जेब्रा क्रॉसिंग का बताया महत्व

जयपुर. कासं

मानसरोवर स्थित सेंट विल्फ्रेड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने विजय पथ मानसरोवर चौराहे पर यातायात पुलिस के साथ मिलकर आयोजित कार्यक्रम में यातायात आवागमन के नियमों व नियंत्रण करने की जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम का मकसद बच्चों को सड़क सुरक्षा नियमों से अवगत कराना था। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी सुमन कुमार ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें यातायात नियमों के बारे में बारीकी से समझाया। उन्हें बताया गया कि आज के समय में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए यातायात

नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। इस दौरान बच्चों ने कई सवाल पूछे, जिनका उन्हें जवाब भी दिया गया। विजय पथ मानसरोवर चौराहा पर लाल बत्ती के पास बच्चों ने यातायात पुलिस के साथ मिलकर लोगों को यातायात नियमों के बारे में समझाया। इस दौरान बच्चों ने हाथों में प्लेकार्ड की मदद से लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के फायदों से अवगत कराया। साथ ही बच्चों ने लोगों को बताया कि ट्रिपल राइ, बिना हेलमेट के वाहन चलना, लाल बत्ती के नियम को तोड़ना, जेब्रा क्रॉसिंग के आगे वाहन लेकर खड़ा होना, 18 साल से पहले वाहन चलाना आदि नियमों के उल्लंघन जानलेवा हो सकता है। इस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। खुद तो यातायात नियमों की जरूरत को समझा, साथ ही लोगों को भी इससे अवगत करवाया। इस मौके पर सेंट विल्फ्रेड एजुकेशन सोसाइटी के मानद् केशव बडाया और प्रधानाचार्या आशा शर्मा ने सुमन कुमार का आभार व्यक्त किया। वहीं उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर हम दुर्घटनाओं से बच सकते है। यदि हम आगे बढकर पहल करें तो सामने वाला भी हमसें प्रेरित होगा। जान है तो जहान है इस ध्येय को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए।

भैंसलाना के दामाद डॉ राकेश की रचित पुस्तक 'शब्द कुंज' का हुआ विमोचन

किशनगढ़ के श्री रतनलाल कंवरलाल पाटनी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ पुस्तक का विमोचन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। किशनगढ़ के श्री रतनलाल कंवरलाल पाटनी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डॉ. राकेश वर्मा भैंसलाना द्वारा रचित पुस्तक शब्द कुंज का विमोचन मंगलवार को हुआ । पीयूषकांत काला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. सत्यदेव सिंह,सहायक निदेशक,क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर डॉ.सुनीता पचोरी,प्राचार्य,कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य किशनगढ़ डा.मंजू सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे ।डॉ सत्यदेव सिंह ने कहा कि डॉ वर्मा द्वारा रचित उक्त पुस्तक अपने जीवन की घटनाओं अनुभवों इत्यादि से जुड़कर भावनाओं को रेखांकित किया गया है ।डॉ पचोरी ने कहा कि पुस्तक का समर्पण इन्होंने अपनी जननी की कविता के रूप में किया है वही भैंसलाना के दामाद और शब्द कुंज पुस्तक के लेखक डॉ राकेश वर्मा ने बताया कि जब भी कोई विचार इनके मन में आता है उनको कलमबद्ध करने का शौक है जिससे शब्द कुंज को उकेरा गया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ.अक्षय नारायण पारीक द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संकाय सदस्य,कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बंधन राखी व लाइफस्टाइल एक्सहिबिशन 3 व 4 अगस्त को

जयपुर. शाबाश इंडिया

बंधन ग्रुप की ओर से नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नाशिया में 3 व 4 अगस्त को दो दिवसीय राखी व लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य महिला गृह उद्यमियों को बढ़ावा देना और एक मंच प्रदान करना है। इस प्रदर्शनी में गृह सज्जा, राखी, टेरों कार्ड रीडिंग, कपड़े आदि होंगे। इस प्रदर्शनी का उदघाटन प्रख्यात समाजसेवी वीरेंद्र कुमार सेठी व कल्पना बगड़ा के करकमलों द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शिनी का समय सुबह 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक रहेगा।

अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर औद्योगिक क्षेत्रों के लिए किया रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुन्तला रावत ने उद्योग भवन प्रांगण, रीको मुख्यालय, जयपुर से तीन अग्निशमन वाहनों को घीलोठ, नीमराणा (माजराकाठ) एवं बीकानेर (रानी बाजार) औद्योगिक क्षेत्रों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रीको प्रबंध निदेशक सुधीर कुमार शर्मा, रीको अधिशाषी निदेशक, डॉ. अरूण गर्ग एवं रीको के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। मंत्री रावत ने बताया कि राज्य सरकार औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित इकाईयों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है। इन अग्निशमन वाहनों की तैनाती से औद्योगिक क्षेत्रों एवं आसपास के आबादी क्षेत्रों में आगजनी की घटनाओं का नियंत्रण एवं रोकथाम किया जा सकेगा। मंत्री रावत ने बताया कि राजस्थान देश में औद्योगिक विकास में अग्रणी राज्य है एवं राज्य की रिप्स-2022 देश की सबसे बेहतरीन इन्वेस्ट प्रमोशन स्कीम है जिससे राज्य में निवेशकों का रूझान बढ़ता जा रहा है। राज्य की वन-स्टॉप शॉप से निवेशकों को एक की छत के नीचे सभी तरह की स्वीकृति अनुमतियां दी जा रही है जिससे निवेशकों को काफी सहूलियत हो रही है। उन्होंने बताया कि इनवेस्ट राजस्थान के दौरान किए गए एमओयू एवं एलओआई में से करीब 51 प्रतिशत धरातल पर आ गए है जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। पिछले माह 22 जून, 2023 को डॉ भीमराव अंबेडकर दलित आदिवासी उद्यमी प्रोत्साहन योजना के लिए प्रत्येक जिले में कार्यशाला आयोजित की गई, जहां एससी-एसटी उद्यमियों को शिविरों में ही ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई और उनकी समस्याओं का भी निराकरण किया गया। इस स्कीम से इस श्रेणी के लोगों को रियायतें मिल रही है जिससे ये प्रोत्साहित हो कर उद्योग स्थापित कर रहे हैं। रीको के प्रबंध निदेशक सुधीर कुमार शर्मा ने बताया कि अभी तक रीको ने 42 अग्निशमन वाहन औद्योगिक क्षेत्रों में तैनात कर रखे हैं अब इनकी संख्या 45 हो जाएगी इसके अलावा 03 और अग्निशमन वाहन माह अगस्त, 2023 में प्राप्त होंगे।

प्रमाद अवस्था से निकले बाहर, आत्मज्ञान से होगी भगवान की प्राप्ति: चेतनाजी म.सा.

रूप रजत विहार में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में चातुर्मासिक प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हम अपने छोटे-बड़े स्वार्थों से उपर उठकर कर्मनिर्जरा का प्रयास करते रहे। कर्मो की निर्जरा होने पर ही हमारी गति सुधरेगी। आत्मज्ञान हमेशा करते रहे क्योंकि कब कैसे कहां भगवान की प्राप्ति हो जाए कोई नहीं जानता। ये विचार शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में मंगलवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में आयोजित नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला में आगममर्मज्ञा डॉ. चेतनाजी म.सा.ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम गहरी निद्रा में होते है तो सपने नहीं आते लेकिन अर्द्ध निद्रित अवस्था में सपने अधिक आते है। परमात्मा महावीर ने अप्रमाद अवस्था में जीवन जीया इसलिए उन्होंने साढ़े बाहर वर्ष की साधना में मात्र एक मुर्हुत (48 मिनिट) की नींद भी पूरी तरह नहीं ली जिसमें भी उन्हें सपने आए। साध्वीश्री ने कहा कि हम प्रमाद अवस्था में जीवन जी रहे है इसलिए नींद बहुत आती है। प्रमाद अवस्था से बाहर निकलने पर ही परमात्मा की प्राप्ति हो सकती है। परमात्मा की स्तुति के लिए निरन्तर जाप आराधना विधिपूर्वक करते रहे तो फल अवश्य प्राप्त होगा। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने जैन रामायण का वर्णन करते हुए बताया कि लंकापति रावण किष्कन्धा के राजा बालि के दरबार में अपना दूत भेजकर उसे अपनी सेवा में उपस्थित होने का संदेश देता है। राजा बलि कहता है कि मैं सौगन्ध ले चुका हूं कि देव, गुरू व धर्म को छोड़ किसी को नमस्कार नहीं करूंगा। प्रभु की कृपा हो तो कमजोर भी बलवान होता है। वह कहता है कि हमारे सम्बन्ध मित्रता के है सेवक वाले नहीं है। वह रावण के दूत को मुंह काला करके बाहर निकाल देता है। रावण इसे अपना अपमान समझता है ओर युद्ध की तैयारी शुरू कर देता है।

पाप स्थान छोड़ स्वयं को धर्मस्थान से जोड़े तो होगा कल्याण: समीक्षाप्रभाजी म.सा.

धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने सुखविपाक सूत्र का वाचन करते हुए श्रावक के 12 व्रतों की चर्चा करते हुए कहा कि जैन संत परम्परा में उम्र नहीं दीक्षा ही वरिष्ठता का पैमाना होता है। इसलिए गौतम स्वामी भगवान महावीर से उम्र में बड़े होने पर भी उनके शिष्य होते है। उन्होंने सुबाहुकुमार के चरित्र की चर्चा करते हुए कहा कि रूप के साथ चरित्र एवं स्वभाव भी अच्छा होना जरूरी है। हम जैसा करेंगे वैसा ही हमे मिलेगा। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की भाषा प्राकृत है इसके बावजूद अधिकतर जैन धर्मावलम्बी इस भाषा से अनभिज्ञता रखते है। प्राकृत भाषा देवता भी समझते है। साध्वीश्री ने कहा कि पाप स्थान और धर्मस्थान का अंतर इससे समझ सकते है कि हम पाप स्थान पर जाते है तो आंखे खुली रहती है लेकिन धर्मस्थान के सात्विक व पवित्र वातावरण के कारण आंखे बंद होने लगती है। पाप स्थान बाहर देखने के लिए कहता जबकि धर्मस्थान भीतर के तरफ देखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जो त्याग करता है वह सर्वश्रेष्ठ है। पैसा कभी पूजनीय एवं वंदनीय नहीं बना सकता है। धर्मसभा में महासाध्वी मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया एवं युवक मण्डल मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक होंगे।

सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत का जाप

रूप रजत विहार में मंगलवार सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक सर्वसुखकारी व सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत जाप का आयोजन किया गया। तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने ये जाप सम्पन्न कराया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर सभी तरह के शारीरिक कष्टों के दूर होने एवं सर्वकल्याण की कामना की। चातुर्मासकाल में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक इस जाप का आयोजन होगा। रविवार 23 जुलाई को रूप रजत विहार में नियमित प्रवचन के दौरान सास-बहु दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के लिए सास को पीली एवं बहु को लाल रंग की साड़ी पहनकर आना होगा। परिवार के लिए प्रेरणादायी इस आयोजन से अधिकाधिक सास-बहु जुड़े इसके लिए सभी को प्रयास करने चाहिए। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा के अनुसार चातुर्मास के तहत प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप एवं दोपहर 3 से 4 बजे तक साध्वीवृन्द के सानिध्य में धार्मिक चर्चा हो रही हैं।

परमात्मा महावीर ने अप्रमाद अवस्था में जीवन जीया इसलिए उन्होंने साढ़े बाहर वर्ष की साधना में मात्र एक मुर्हुत (48 मिनिट) की नींद भी पूरी तरह नहीं ली जिसमें भी उन्हें सपने आए।

वेद ज्ञान

दौलत से जिंदगी

हम सफल जीवन जी रहे हैं या असफल, सुखी हैं या दुखी, आगे बढ़ रहे हैं या पीछे जा रहे हैं। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि हम किस दृष्टि से देख रहे हैं या नाप रहे हैं? हम सफलता का मापदंड इस बात से तय करते हैं कि जीवन के प्रति क्या दृष्टिकोण अपनाया है। जिस चीज को हम अपना केंद्र मानते हैं या धुरी बनाते हैं, उसी के इर्द-गिर्द घूमते हैं। जिस दृष्टिकोण से जीवन का लक्ष्य बनाया है उसे पाने में जीवन की अधिकांश ऊर्जा लगाते हैं। सुख या दुख वस्तु के संग्रह से नापा जाएगा। इस दृष्टिकोण से सुख-दुख सापेक्षिक शब्द बन जाता है। किसी एक कार्य को करने में या कुछ उपलब्धियों को प्राप्त करने में एक व्यक्ति सुख की अनुभूति कर सकता है, लेकिन दूसरा दुख की। इसलिए यह व्यक्तिगत अनुभूति है और इसके निरपेक्ष मापदंड नहीं हो सकते। इसलिए जैसा एक व्यक्ति अपने लिए लक्ष्य तय करेगा वैसा ही उसका मापदंड होगा और उसी से सुख-दुख, सफलता-असफलता तय करेगा और सुख-दुख का आभास करेगा। वास्तविक या निरपेक्ष सुख और सुखी जीवन वस्तु आधारित नहीं है, बल्कि सिद्धांत या मूल्य आधारित है और इस प्रकार का सुख सबके लिए समान अनुभूतिपरक है। व्यक्ति सुख की तलाश में सुख का आभास प्राप्त करता है और उसकी प्राप्ति के लिए क्या-क्या लक्ष्य बनाता है। कोई अपने परिवार को धुरी बनाता है तो कोई अपनी पत्नी या प्रेमी को। कोई धन प्राप्ति को बनाता है तो कोई यश प्राप्ति को। कोई माता-पिता को धुरी बनाता है तो कोई स्वयं को। कोई कार्य करने को धुरी बनाता है तो कोई मौजमस्ती को। प्रत्येक व्यक्ति अपनी धुरी बनाकर कार्य करता है और उसी दृष्टि से जीवन की सफलता या असफलता को आंकता है। जो व्यक्ति धन कमाने व संग्रह करने को अपनी धुरी बनाते हैं, उन्हें चौबीस घंटे इसी की उधेड़बुन लगी रहती है। ऐसा व्यक्ति धन-अर्जन की योजना बनाता है और सुबह-शाम इसी में लगा रहता है। इसमें भी दो तरीके के आदमी होते हैं। एक वे व्यक्ति जो लगन व मेहनत से धन कमाकर आगे बढ़ना चाहते हैं और एक वे जो येन-केन-प्रकारेण धन कमाना चाहते हैं। दूसरी श्रेणी के लोग नियम, कानून, नैतिकता को एक तरफ रखकर चोरी, मिलावट, तस्करी, रिश्वत, डकैती, ड्रग व्यापार, देशद्रोह आदि किसी भी तरीके को अपनाने को तैयार रहते हैं।

संपादकीय

सब्जियों के दाम बढ़ने की वजह से घरों का बजट बिगड़ा

पिछले कुछ समय से बाजार में लगातार महंगाई के बढ़ते रुख ने समाज के सभी तबकों को प्रभावित किया है। मगर निम्न आय वर्ग के लोगों के सामने ज्यादा मुश्किल आई, जिन्हें अपने रोजमर्रा के खर्चों में कई स्तरों पर कटौती करनी पड़ी। खासकर खाने-पीने की चीजों की कीमतों ने आम लोगों से लेकर सरकार तक के माथे पर शिकन पैदा कर दी थी। इस मुश्किल से निपटने के लिए सरकार की ओर से कई स्तर पर प्रयास किए गए, लेकिन महंगाई के आंकड़े आंख-मिचौली खेलते रहे। हालांकि बाजार में उथल-पुथल के बीच कीमतों में तेजी के लिए कई कारक जिम्मेदार रहे और उसका सीधा असर जरूरी वस्तुओं की खुदरा कीमतों पर पड़ा। अब वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों में थोक महंगाई का रुख नीचे की तरफ हुआ है। इसके मुताबिक, जून लगातार तीसरा महीना है, जब थोक महंगाई शून्य से नीचे आ गई। खाने-पीने की वस्तुओं, ईंधन, वस्त्रों और निर्मित उत्पादों की कीमतों में

गिरावट की वजह से थोक महंगाई में यह गिरावट शून्य से 4.12 फीसद नीचे पहुंच गई है। इसे पिछले आठ साल में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है। इससे पहले मई में यह शून्य से 3.38 फीसद और अप्रैल में शून्य से 0.92 फीसद नीचे रहा था। थोक महंगाई की दर में कमी होने के बाद यह उम्मीद स्वाभाविक है कि अब बाजार में वस्तुओं की खुदरा कीमतों में भी नरमी आएगी। मगर कई बार थोक महंगाई में गिरावट के बावजूद खुदरा मूल्य पर उसका ज्यादा असर नहीं पड़ता है। मसलन, थोक महंगाई में तो नरमी का रुख देखा गया, लेकिन बाजार में खुदरा कीमतें ऊंची बनी रहीं। खाने-पीने के सामान और खासकर सब्जियों के दाम की वजह से सभी घरों का बजट बिगड़ा रहा। हालत यह है कि टमाटर जैसी ज्यादातर सब्जियां साधारण आमदनी के लोगों की खरीदने क्षमता से दूर हैं। खाना-पीना चूंकि रोजमर्रा की अनिवार्य आवश्यकता है, इसलिए इसकी वजह से लोगों के सामने अपने अन्य खर्चों में कटौती तक की नौबत है। ऐसे में थोक महंगाई में कमी का असर अगर जरूरी सामान की खुदरा कीमतों पर भी पड़े, तभी इसे आम लोगों के लिए राहत के तौर पर देखा जा सकेगा। गौरतलब है कि जून में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक बढ़ कर 4.81 फीसद पर पहुंच गया था। तब भी सबसे ज्यादा उछाल सब्जियों की कीमतों में ही आई थी। खाने-पीने की चीजों की कीमतों में तेजी को इस मौसम में एक स्वाभाविक चक्र माना जाता है। लेकिन इसी दौरान सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी मौसमी रुझान से इतर है। हालांकि इसका कारण भी मौसम में उतार-चढ़ाव की वजह से आपूर्ति शृंखला पर पड़ने वाले असर को माना जा सकता है। लेकिन इस समस्या का हल निकालना संबंधित सरकारी महकमों की जिम्मेदारी होती है। यों, जरूरी चीजों में महंगाई का यह रुख अकेले भारत में नहीं है। दुनिया के कई देश इस समस्या से जूझ रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के लंबा खिंचने का सबसे ज्यादा असर खाने-पीने की चीजों की आपूर्ति पर पड़ा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

स्थिरता

महाराष्ट्र का घटनाक्रम इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। कब किसी को पता था कि भाजपा की धुर विरोधी मानी जाने वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस में भारी टूट होगी और उसके विधायक भाजपा के समर्थन से चल रही सरकार में शामिल हो जाएंगे। मगर ऐसा हुआ और सरकार में कुछ इस कदर नाटकीय बदलाव हुआ कि शिव सेना से अलग हुआ शिंदे गुट ठगा हुआ महसूस करने लगा। एकनाथ शिंदे वहां मुख्यमंत्री हैं, मगर वे अपने समर्थक विधायकों को मनचाहा मंत्रालय नहीं दिला सके और दो हफ्ते पहले सरकार में शामिल हुए अजित पवार ने अपने सारे मनचाहे विभाग ले लिए। एक तरह से घूम-फिर कर सरकार का वही स्वरूप बन गया, जो पहले महाविकास आघाड़ी के समय था। अजित पवार उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ वित्तमंत्री भी बन गए और अपने विधायकों को सहकारिता, कृषि, चिकित्सा शिक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, खेल, महिला एवं बाल विकास जैसे महत्त्वपूर्ण महकमे दिला दिए। राकांपा के विधायक इन विभागों की ख्वाहिश पहले से पाले हुए थे, इसलिए कि उनमें से कई सहकारी या निजी चीनी मिलें चलाते हैं, कइयों के चिकित्सा शिक्षा से जुड़े संस्थान हैं। जाहिर है, इसमें सबसे अधिक फायदा राकांपा से टूटे विधायकों को मिला है। हालांकि इस मंत्रिमंडल विस्तार से महाराष्ट्र की राजनीति में स्थिरता आएगी, इसका दावा अभी नहीं किया जा सकता। कई लोगों की स्वाभाविक दिलचस्पी है कि अब महाराष्ट्र का ऊंट किस करवट बैठेगा, देखने की बात है। इसकी वजह भी है। दरअसल, इस मंत्रिमंडल विस्तार से शिंदे गुट के विधायकों में असंतोष उभरने लगा है। पिछली सरकार में भी अजित पवार वित्तमंत्री थे और शिंदे गुट यानी तबके शिव सेना के इन्हीं विधायकों की शिकायत रहती थी कि वे उन्हें कोष का आबंटन नहीं करते। वही शिकायत अब भी रहेगी। फिर, जबसे यह सरकार बनी है, शिव सेना से अलग होकर आए विधायकों को महत्त्वपूर्ण महकमों की ख्वाहिश थी, मगर ज्यादातर अहम विभाग उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास थे। अब उन्होंने अपने हिस्से के विभाग शिंदे गुट के विधायकों को न देकर अजित पवार के साथ आए विधायकों को दे दिए हैं। बताया जा रहा है कि यह बंटवारा दिल्ली में भाजपा आलाकमान की सहमति से किया गया है। इसलिए कई लोगों का मानना है कि शिंदे गुट के विधायक फिर से बागी तेवर दिखा सकते हैं। मगर इससे भाजपा को कोई नुकसान नहीं होने वाला। वह शिव सेना और राकांपा को तोड़ कर न सिर्फ महाराष्ट्र की सरकार में ताकतवर हुई है, बल्कि आने वाले चुनावों में भी इसका लाभ उसे ही मिलने वाला है। मगर महाराष्ट्र के इस घटनाक्रम से नुकसान लोकतंत्र को हुआ है। मतदाता ठगे गए हैं। जिन सिद्धांतों और भरोसे पर उन्होंने अपने प्रतिनिधि चुने थे, वे इस कदर पाला बदल करके अपनी स्वार्थ सिद्धि में लग जाएंगे, शायद उन्होंने सोचा भी न होगा। यह ठीक है कि हर कोई सत्ता में जगह बनाने के मकसद से ही चुनाव लड़ता है, मगर जब इसके लिए सारे सिद्धांतों और राजनीतिक मूल्यों को तिलांजलि दे दी जाए, तो सवाल उठने स्वाभाविक हैं। लोकसभा के चुनाव नजदीक आ रहे हैं और वहां की विधानसभा का कार्यकाल भी ज्यादा नहीं बचा है। ऐसे में जब ये नेता फिर से लोगों के बीच वोट मांगने जाएंगे, तो किस सिद्धांत की दुहाई देंगे, देखने की बात होगी। पर फिलहाल महाराष्ट्र की सियासत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को एक बार फिर कमजोर किया है।

जैन सोश्यल ग्रुप अप -टू -डेट का गेट टू गेदर "पूल मस्ती" कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप अप -टू -डेट ग्रुप द्वारा समर पूल पार्टी का आयोजन किया गया । ग्रुप अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन और सचिव विवेक कासलीवाल ने बताया कि सभी सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ मनोरंजक गेम्स का आनंद लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्रुप के मुख्य संरक्षक डॉ.राजीव -अंजू जैन का वॉएस ऑफ जे एस जी के सफल आयोजन के लिए सम्मान किया गया। सभी गेम्स के पुरस्कार सुनील-आरती पहाडिया द्वारा प्रायोजित किये गए । कार्यक्रम के संयोजक आलोक-पूजा जैन , संजय-सोनू जैन रहे । इस अवसर पर उपाध्यक्ष विकास जैन , कोषाध्यक्ष निर्मल जैन , सलाहकार नरेंद्र जैन , पी आर ओ जिनेन्द्र जैन सहित ग्रुप के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे ।

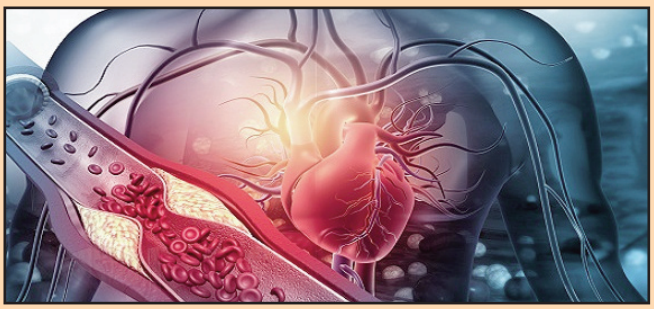

दिल का दौरा पड़ने का सबसे बुरा समय कौन सा है?

दिल का दौरा (हृदयाघात) कभी भी अचानक हो सकता है और इसका समय पूरी तरह से प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, सबसे बड़ा और खतरनाक समय हृदयाघात के लिए शामिल हो सकता है...

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।

1. सुबह के समय: सुबह के समय उठने के बाद हृदयाघात के जोखिम कम होता है, क्योंकि रात के दौरान आपका शरीर विश्राम करता है। लेकिन सुबह उठने के बाद, जब आप जगते हैं और दिनचर्या शुरू करते हैं, तो हृदयाघात का खतरा बढ़ सकता है।

2. सुबह की पहली घंटी: अधिकांश हृदयाघात घटनाएं सुबह की पहली घंटी में होती हैं। इसका कारण हो सकता है कि इस समय आपका शरीर और मस्तिष्क सोने के दौरान के समय नितांत विश्राम पर हैं, और जब आप जगते हैं, तो आपके हृदय को तत्परता से संचालित करने की आवश्यकता होती है।

3. भारी शारीरिक कार्य: यदि आप एक भारी शारीरिक कार्य कर रहे हैं, जैसे कि व्यायाम या भारी सामग्री को उठाना, तो यह आपके हृदय के लिए अधिक तनावदायक हो सकता है और हृदयाघात का जोखिम बढ़ा सकता है। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि हृदयाघात का समय केवल इन अवस्थाओं में ही सीमित नहीं होता है और कई अन्य कारक इसके प्रभावित हो सकते हैं। हवाई यात्रा, तनाव, धूप में लंबे समय तक रहना, यदि आपके पास पहले से रोग हो या हृदय संबंधी समस्याएं हैं, तो आपका हृदयाघात का जोखिम बढ़ सकता है।

यदि आपको किसी ऐसे संकेत का अनुभव होता है जो हृदयाघात की संभावना को दशार्ता है, तो तुरंत मेडिकल सहायता लेना चाहिए। इसके अलावा, आपको नियमित रूप से अपने डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए और अपने हृदय स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।

मनुष्य माया से दूर होने पर अपनी आत्मा को मोक्षगामी बना सकता है : साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। माया से दूर रहने पर आत्मा मोक्षगामी बन सकती है। मंगलवार साहूकार पेठ के मरूधर केसरी दरबार मे विशाल धर्मसभा में साध्वी धर्मप्रभा ने श्रध्दालूओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार का दूसरा नाम ही माया है।

वस्तुतः यह माया इस जीव को हर रोज नाच- नचाती है, और मानव आत्मबोध की ओर जाता नहीं, हमेशा क्षणभंगुर संसार में माया के रत मे लगा रहता हैं। जब तक मनुष्य माया मे लगा रहेगा तो संसार मे अनंत बार माँ कि गृभ में आयेगा। मनुष्य छल- कपट और रिश्वत देकर दूसरों कि नजरों मे धूल झोंक सकता है,लेकिन परमात्मा की नजरों मे नही,इस संसार मे कौनसा प्राणी क्या कर रहा,यह सब ईश्वर जानता है। मनुष्य भगवान को धोका नही दे सकता है। क्योंकि ईश्वर कि एक नही लाखों आंखें है। भगवान के दरबार में सबका खाता है। मनुष्य ने माया का विर्जन कर दिया तो निग्रंथ बन सकता है। माया व्यापक अविद्या है, जिसमें सभी जीव फंसे हुए हैं। माया वो छलावा जो मनुष्य को परमात्मा से दूर करती है,और आत्मा को मोक्ष मे जाने से रोकती है । साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र के चतुर्थ अध्ययन कि गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि मनुष्य की आत्मा का घर मोक्ष है, माया नही है।

मनुष्य कितना भी जप तप करलें,लेकिन जब तक माया के पीछे मनापड़ा रहेगा तब तक इस संसार से आत्मा को मुक्ति नही दिला सकता है। मनुष्य इस सत्य से वाकिफ है,की माया उसके साथ नही जाने वाली है । फिर भी मनुष्य माया को अपना समझ रहा है। छल, कपट औंर धोके से माया को प्राप्त करने वाला मनुष्य गंगा मे कितनी भी बार डुबकी लगा ले,परन्तु आत्मा शुध्द और पवित्र नही हो सकती है। मनुष्य के नियत में खोट नही होगी तो घर ही परमात्मा के दर्शन हो जाएंगे ।एस.एस.जैन संघ साहूकार पेठ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने बताया कि धर्मसभा मे तपस्वी बहन प्रियंका अभिषेक चौरड़िया ने साध्वी धर्मप्रभा से नौ उपवास के प्रत्याख्यान लिए जिसका एस.एस.जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया सुरेश डूगरवाल,पदम ललवाणी, महावीरचन्द कोठारी हस्तीमल खटोड़,जितेंद्र भंडारी, भरत नाहर आदि पदाधिकारियों ने तपस्वी बहन और चैन्नई के उपनगरों से पधारे पूरणमल कोठारी, प्रसन्न दुग्गड़, इन्द्रचन्द लोढ़ा राजमल सिसोदिया, महेश भंसाली,एम.अशोक कोठारी आदि सभी अतिथीयो का शोल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

तीये की बैठक

आदरणीय भाई साहब

श्री वीरेन्द्र कुमार (बाबूलाल)

पुत्र स्व. श्री छोटेलाल जी प्रकाशी देवी पांड्या खोरा वाले का असामायिक निधन 17/7/23 को हो गया है। तीये की बैठक 20/7/23 को प्रात: 9 बजे दिगम्बर जैन मन्दिर दुगार्पुरा पर होगी।

शोकाकुल: विमला देवी (पकौड़ी) (धर्मपत्नि), महावीर - पिंकी (पुत्र-पुत्रवधु), शिरिष - अनन्त (पौत्र), जिनेन्द्र- रेणू, धनकुमार- सुनीता, सतेन्द्र- नीरु, पुष्पेन्द्र - सविता, विनय- सीमा, धीरज - उर्मिला (भ्राता-वधू), सुरेन्द्र, पंकज, पवन, पीयूष कपिल, पुनीत, प्रतीक, अक्षय (भतीजे), तारा बोहरा, स्नेहलता निर्मल कासलीवाल, सुशीला- सुरेश कासलीवाल (बहन-बहनोई), शैफाली- निखिल लुहाडिया (भतीजी-दामाद), ससुराल पक्ष: गुलराज, पुष्पराज, कैलाश बोहरा, भागचन्द, नितिन, नितेष छाबडा

निवास-दुर्गापुरा @ 9414455313

जैन संत की हत्या के विरोध में निकाला मौन जुलूस

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। विगत सप्ताह कर्नाटक के चिकोड़ी ग्राम में दिगंबर जैन आचार्य काम कुमार नंदी के जघन्य हत्या के विरोध में स्थानीय जैन समाज द्वारा सोमवार को मौन जुलूस निकालकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया गया। मौन जुलूस सोमवार को प्रातः फ्रामजी चौक स्थित ताराचंद सेठी की नसिया से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होता हुआ स्टेशन रोड होकर उपखंड कार्यालय पहुंचा जहां जैन समाज की ओर से उपखंड अधिकारी अंशुल आमेरिया को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में आरोपियों को गिरफ्तार करने, घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने, जैन तीर्थों की सुरक्षा एवं समाज के संरक्षण के लिए सभी राज्यों में जैन सदस्य एवं कल्याण बोर्ड का गठन करने की मांग की गई। मौन जुलूस में दिगंबर जैन समाज व श्वेताम्बर जैन के लोग जुलूस में शामिल थे। जुलूस में शामिल महिला-पुरुष अपने हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे।मौन जुलूस निकालकर ज्ञापन दिए जाने तक जैन समाज के प्रतिष्ठान बंद रहे। ज्ञापन देते समय कोमल चंद शास्त्री, ओमप्रकाश बड़जात्या, विनोद पाटनी, विनोद अजमेरा, एडवोकेट अभिषेक सोनी , एडवोकेट धर्मेंद्र बड़जात्या, मुकेश सेठी, हेमंत बाकलीवाल, ऋषभ बीलाला, अरुण पाटनी, सुशील गदिया, हर्षद बड़जात्या, अशोक बाकलीवाल, अजीत बड़जात्या, अजीत गोधा, पदम सेठी, विजय पाटनी, सुरेंद्र बड़जात्या, प्रवीण चंद गदीया, निहालचंद बड़जात्या ,भागचंद पाटोदी, राहुल बड़जात्या, मोहित बड़जात्या, विमल मुनोत, सुशील चोपड़ा, ज्ञानचंद चोपड़ा, राजेंद्र कोठारी, हस्तीमल चोपड़ा, लक्की सेठी अनिता सोनी, चंचल बड़जात्या, संगीता पाटनी, कांता बड़जात्या शांता सेठी आदि मौजूद रहे।

बाबा जयराम दास जी की बगीची में वृक्षारोपण किया गया

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। बाबा जयराम दास जी की बगीची में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत बाबा प्रकाश दास जी महाराज के सानिध्य में बसंत सोनी कुदन ने 51फलदार पौधे लगाए गए। बसंत सोनी पुत्र स्वर्गीय सांवरमल सोनी ने हर साल बरसात के मौसम में कहीं ना कहीं पौधे लगाते हैं। वे पर्यावरण के प्रति लगाव रखते हैं इस कार्यक्रम मे राधा देवी मुरारी सोनी राकेश सोनी राकेश सोनी सत्यनारायण सोनी सुधीर शर्मा व अनेक लोग उपस्थित रहे।

आचार्य श्री काम कुमार जी नंदी महाराज जी की कर्नाटक में जघन्य हत्या पर वेदना

आस्तीन के साँप बने जो ...

महाविभूति, विज्ञ, तपस्वी, सन्मति, सुख देने वाले.
परोपकारी, श्रेष्ठ विश्व में, यश, शांति निधि देने वाले.
जिनकी रक्षा, सेवा करना,ही कर्तव्य तुम्हारा है,
उनकी नृशंश हत्या करदी,
कुकृत्य, दुष्कर्म तुम्हारा है.
वस्त्र, वाहन त्याग दिये हैं,
केशलॉन्च जो करते हैं,
कर अंजुली में भोजन लेते,
साधना रत नित रहते हैं
चप्पल, जूते नहीं पहिनते,
तेल, इत्र प्रयोग नहीं,
लकड़ी पट्टा जिनका बिस्तर,
ए. सी., पंखा न लगा कभी
ऐसी वंदनीय विभूति,
ईश्वर ही कहलाती है.
अंग भंग कर प्राण हर लिए,
क्रूरता अति दिखलायी है.
जिनके आगे सिंह, व्याघ्र भी,
नत मस्तक हो जाते हैं.
सारे कष्ट सभी के हरते,
करुणा, दया दिखाते हैं
परम दायलू और कृपालू,
जग, जन हित जो नित करते.
कष्ट वेदना हरते जग की, सुखमय जग जीवन करते.
ऐसे दिव्य देव पुरुष को, पापी तुमने मार दिया?
घोंट गला विश्वास नेह का,
अति निंदनीय दुष्कर्म किया.
श्री मानतुंग, सुकमाल मुनि ने,
मर्मान्तक उपसर्ग सहे,
शांत भाव से सही वेदना,
करुणा सागर बने रहे.
कष्ट वेदना देने वाले,
युगों युगों तक नर्क रहे.
पापी, कपटी, क्रूर निर्दयी,
क्यों जघन्य दुष्कर्म किये?
शांत भाव से देह त्याग कर, स्वर्ग शिला वे जायेंगे,
आस्तीन के साँप बने जो,
भीषण वेदना पायेंगे.
शासन से माँग व संकल्प
साक्षात् प्रभु आज धरा पर,
इनकी रक्षा का प्रण लो.
जहाँ जहाँ भी दिव्य संत हैं,
इनको नित संरक्षण दो.
इनकी कृपाकोर से ही,
यश, सुख, शांति आएगी,
गगन-धरा में युगों युगों तक,
यशगाथा जाएगी.
आओ प्रण लें रक्षा इनकी,
तन, मन, धन से करना है,
सब कुछ देने वाले ये हैं,
सब कुछ अर्पित करना है.

इंजिनियर अरुण कुमार जैन
अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद, भोपाल
7999469175

महावीर भवन मानसरोवर में होने वाले रक्तदान शिविर रविवार, 6 अगस्त को

शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्था मानसरोवर के तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनंद ऋषि जी म.सा की 123 वी जन्म जयंती के उपलक्ष में दिनांक 6 अगस्त 2023 रविवार को संचालित किया जा रहा है। इस विशाल रक्तदान शिविर का पोस्टर विमोचन परम पूज्या राजस्थान सिंहनी महाश्रमणी गुरुमाता महासती पुष्पवती (माताजी म.सा.), परम पूज्या उपप्रवर्तिनी मरुधरा शिरोमणि सदुरुवर्या महासती डॉ.राजमती म. सा. आदि ठाणा 7 की प्रेरणा से श्री संघ,महिला प्रकोष्ठ,युवा प्रकोष्ट द्वारा किया गया। पोस्टर विमोचन के पश्चात म.सा द्वारा सभी समाज बंधुओं को ज्यादा से ज्यादा इस रक्तदान शिविर में अपना योगदान देने का आहवान किया गया। इस विशाल रक्तदान शिविर के निवेदक श्री संघ अध्यक्ष राजेंद्र जैन (राजा) मंत्री प्रकाश चंद लोढ़ा, महिला मंडल अध्यक्ष सुजाता जैन, मंत्री संगीता लोढ़ा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष अभिषेक जैन, मंत्री विनोद जैन एवं कार्यक्रम प्रभारी आकाश दुनिवाल,पुनीत सिंघवी,नितिन आंचलिया होंगे, शिविर के हेल्थ पार्टनर एएमआरसी हॉस्पिटल मानसरोवर एवं मीडिया पार्टनर दैनिक हिंदी समाचार पत्र बिजनेस रेमेडीज होगा।

खनियाधाना के युवक योगेन्द्र गौर ने किया राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में क्वालिफाई अब नेशनल में मेडल लाने की है तैयारी

जया अग्रवाल. शाबाश इंडिया

भोपाल, मध्य प्रदेश। लक्ष्य भोपाल के तात्या टोपे अकादमी में शूटिंग की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों ने इंदौर, तहसील मऊ आर्मी कैंट में 65वीं स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप मैं भाग लिया। जिसमें 10 मीटर की एयर पिस्टल 40 शॉट से 400 में से 345 स्कोर बनाकर, युवकों ने नेशनल लेवल के लिए क्वालीफाई किया। इस चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश के सैकड़ों युवक ने भाग लिया एवं मध्यप्रदेश के लिए स्वर्ण पदक, कांस्य पदक, रजत पदक लेकर आए। नेशनल लेवल के लिए क्वालीफाई हुए योगेन्द्र गौर से बातचीत में उन्होंने बताया, कि उन्हें 3 साल पहले भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में तैयारी शुरू की थी, शूटिंग एक ऐसा गेम है जिसमें मानसिक दृढ़ता एवं लग्न बहुत जरूरी है मैंने इस लेवल को क्वालीफाई करने के लिए, एक दिन में 20 घंटे तक मेहनत की है काफी परेशानी आई फिर भी मैंने अपना फोकस अपने लक्ष्य पर रखा, और मैं यहां आज मैं क्वालीफाई कर पाया हूं इसीलिए मैं उन सभी लोग जो इसकी तैयारी कर रहे हैं उनसे यह कहना चाहता हूं कि लक्ष्य जितना बड़ा होता है हमें उतनी ही बार गिरना पड़ता है, भगवान हमारी सहायता हमारा लक्ष्य पाने में हमेशा मदद करते हैं यदि हम अपने लक्ष्य के लिए लगातार कोशिश करते हैं तो।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com